राज्यपाल सचिवालय

लोकभवन, राजस्थान

राज्यपाल ने सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत के लिए मिलकर कार्य करने का किया आह्वान

कोई भी समाज तभी विकास करता है जब शिक्षा की ओर तेजी से अग्रसर हो–राज्यपाल

जयपुर, 26 जुलाई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि कोई भी समाज विकास की ओर तभी अग्रसर होता है जब रूढ़ियों और कुरुतियों से मुक्त होकर शिक्षा की ओर तेजी से अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि समयानुरूप जो समाज स्वयं को सकारात्मक रूप में बदलता है, वहीं निरंतर प्रगति करता है।

श्री बागडे रविवार को खटीक समाज के 44वें स्थापना दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर सभी को सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण का संकल्प तभी साकार होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग शिक्षा, रोजगार, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ेगा।

राज्यपाल ने इस दौरान खटीक समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया। उन्होंने खटीक समाज के नासिक के स्वतंत्रता सेनानी श्री रघुनाथ जाधव का स्मरण करते हुए समाज के परिश्रम, स्वाभिमान, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समर्पण को महत्वपूर्ण बताया तथा संत दुबर्लनाथ महाराज जैसे संतों के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया का भी स्मरण किया और कहा कि भारत का संविधान समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व का संदेश देता है। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया था। उन्होंने कहा कि उनका संदेश आज भी प्रासंगिक है।

—-----

जय
श्री

अखिल भारतीय खटीक सभा
नई दिल्ली
स्थापित : 26 जुलाई 1982 | रजि. नं. एस-31375/1
44वां स्थापना दिवस
के उपलक्ष में आयोजित राजस्थान प्रदेशकार्यकारणी
माननीय मुख्य अतिथि